

कृषि शिक्षा बजट में वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में 47.4 प्रतिशत की वृद्धि

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार, स्कूली बच्चों से लेकर नौजवानों तक को कृषि शिक्षा के प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा कृषि शिक्षा बजट में वृद्धि की गई। इसी क्रम में भारत सरकार ने कृषि से संबंधित अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय दविस मनाने शुरू किये हैं, ताकि कृषि का समग्र और तीव्र गति से विकास सुनिश्चित किया जा सके।

राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दविस

भारत सरकार द्वारा प्रथम केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के जन्म-दविस को दो वर्ष पूर्व 3 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दविस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

उद्देश्य

- ▶ कृषि में दीर्घकालीन व स्थायी प्रगति के लिये कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार को सुदृढ़ करना।
- ▶ कृषि क्षेत्र की उत्कृष्टता हेतु नए केन्द्रों की स्थापना करना।
- ▶ पछिड़े राज्यों में कृषि शिक्षा को बढ़ावा देना।
- ▶ प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि विकास।
- ▶ कृषि पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाना।

प्रमुख विशेषताएँ

- इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा उच्च कृषि शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये कई नए कार्यक्रम आरंभ किये गए हैं।
- इसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा इस वर्ष कृषि शिक्षा बजट में वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में 47.4 प्रतिशत की वृद्धि की गई।
- उच्च कृषि शिक्षा में गुणवत्ता व समग्र दृष्टिकोण अपनाने के लिये पाँचवीं डीन समिति रिपोर्ट सभी कृषि विश्वविद्यालयों में लागू कर दी गई है।
- इस नए पाठ्यक्रम के माध्यम से कृषि आधारित समस्त स्नातक कोर्सों को पहली बार प्रोफेशनल कोर्सों की श्रेणी में तब्दील किया गया है। इससे कृषि स्नातकों को भविष्य में प्रोफेशनल कार्य से नौकरी मिलने में मदद मिलेगी।
- पाँचवीं डीन समिति रिपोर्ट के अंतर्गत कृषि शिक्षा में नवविधियों के लिये समसामयिक पाठ्यक्रमों का निर्माण एवं उनके क्रियान्वयन के लिये आवश्यक प्रशासनिक शैक्षणिक मानकों हेतु दिशा-निर्देश तैयार किये गए हैं।

सूट्टेड रेडी कार्यक्रम

- इसके अतिरिक्त उद्यमिता विकास एवं रोजगार सुनिश्चित करने के लिये सूट्टेड रेडी कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, जिसमें वर्ष 2016-17 में सभी छात्रों की फेलोशिप को एक हजार रुपए से बढ़ाकर तीन हजार रुपए किया गया है।
- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि स्नातक छात्रों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान कौशल युक्त बनाते हुए उन्हें रोजगार के अनुकूलन प्रशिक्षण देना है।

कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु आरंभ की गई पहलें

- इसके अलावा एक अन्य योजना 'आर्या' को भी संचालित किया जा रहा है।
- वर्ष 2016 में कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय उन्नत कृषि शिक्षा' योजना भी प्रारंभ की गई।

